+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(10 February 2025)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- यूक्रेन की अमेरिकी सुरक्षा गारंटी के बदले अमेरिका के साथ 'रेयर अर्थ' सौदे का प्रस्ताव
- पंजाब में पोटाश भंडार की खोज क्यों महत्वपूर्ण है?
- 'विकसित भारत' के विकास इंजन के रूप में बजट में 'निर्यात' पर विशेष बल
- भारत का निर्यात ऐतिहासिक ऊंचाइयों पर पहुंचा
- MCQ

यूक्रेन की अमेरिकी सुरक्षा गारंटी के बदले अमेरिका के साथ 'रेयर अर्थ' सौदे का प्रस्ताव:

चर्चा में क्यों हैं?

- यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ खनिज साझेदारी का प्रस्ताव रखा है, जिसमें निरंतर वित्तीय और सैन्य सहायता के बदले में यूक्रेन के रेयर अर्थ और महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुँच की पेशकश की गई है।
- राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने 7 फरवरी को रॉयटर्स के साथ एक साक्षात्कार के दौरान, संकेत दिया कि वह यूक्रेन की रेयर अर्थ सामग्रियों तक पहुंच के बदले में रूस के खिलाफ युद्ध में सैन्य सहायता जारी रखने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के डील को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं।

यूक्रेन के रेयर अर्थ एवं अन्य खनिज भंडार का रणनीतिक महत्व:

- यूक्रेन में रेयर अर्थ तत्वों का महत्वपूर्ण भंडार है, जो उच्च प्रदर्शन वाले चुम्बकों, इलेक्ट्रिक मोटरों और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्माण के लिए आवश्यक है।

- राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के खनिज संसाधनों का 20% से भी कम हिस्सा, जिसमें इसके रेयर अर्थ भंडार का लगभग आधा हिस्सा शामिल है, रूसी नियंत्रण में है। उन्होंने चेतावनी दी कि रूस इन संसाधनों को उत्तर कोरिया और ईरान जैसे सहयोगियों के लिए खोल सकता है, जिससे अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए रणनीतिक खतरा पैदा हो सकता है।
- इसके अतिरिक्त, यूक्रेन के पास यूरोप का सबसे बड़ा टाइटेनियम (विमानन और अंतरिक्ष उद्योग के लिए महत्वपूर्ण), और यूरेनियम (परमाणु ऊर्जा के लिए महत्वपूर्ण) भंडार है।
- यूक्रेन के अधिकांश टाइटेनियम भंडार देश के उत्तर-पश्चिमी भाग में स्थित हैं, जो वर्तमान संघर्ष क्षेत्रों से बहुत दूर हैं।

यूक्रेन के साथ खनिज सौदे में ट्रंप प्रशासन की दिलचस्पी:

- ट्रम्प प्रशासन चीन पर निर्भरता कम करने के लिए खनिज आपूर्ति को सुरक्षित करने पर बल दे रहा है। जवाब में, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी इस सौदे का स्वागत किया लेकिन इस बात पर ज़ोर दिया कि यूक्रेन अपने संसाधनों को "यूँ ही देने" की पेशकश नहीं कर रहा है। इसके बजाय, उन्होंने संयुक्त विकास के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी का प्रस्ताव रखा।

- राष्ट्रपति जेलेंस्की की यह टिप्पणी राष्ट्रपति ट्रंप की उस टिप्पणी के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अमेरिका द्वारा दी जाने वाली अरबों डॉलर की सहायता के बदले में रेयर अर्थ तत्वों की "सुरक्षा" चाहते हैं।
- उल्लेखनीय है कि यह सौदा यूक्रेन की मौजूदा "विजय योजना" के अनुरूप है, जिसमें कहा गया है कि यूक्रेन अपने साझेदारों को "खरबों अमेरिकी डॉलर मूल्य के प्राकृतिक संसाधन और महत्वपूर्ण धातुएं" प्रदान करेगा, जिनमें यूरेनियम, टाइटेनियम, लिथियम और ग्रेफाइट शामिल हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की के अनुसार अमेरिका ने यूक्रेन की सबसे ज्यादा मदद की, और इसलिए अमेरिकियों को सबसे ज्यादा कमाना चाहिए।

रूस का यूक्रेन में बढ़ता नियंत्रण:

- रूसी सेना पूर्वी यूक्रेन में लगातार आगे बढ़ रही है, जिससे यूक्रेनी सरकार पर दबाव बढ़ रहा है। राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने मध्य यूक्रेन में एक भारी सुरक्षा वाले क्षेत्र की ओर इशारा किया, जिसमें नीपर क्षेत्र भी शामिल है, जो खनिज संसाधनों से भरपूर है। उनके अनुसार, सोवियत युग के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों ने रूस को इन भंडारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी है।

यूक्रेन द्वारा खनिज डील की पेशकश क्यों की जा रही है?

- यूक्रेनी राष्ट्रपति अमेरिका और रूस के बीच किसी भी संभावित चर्चा से पहले राष्ट्रपति ट्रंप के साथ सीधी बैठक के लिए दबाव बना रहे हैं। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन किसी भी शांति वार्ता से पहले गारंटी हासिल करने के महत्व पर जोर दे रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यूक्रेन अपने स्वयं के भविष्य के बारे में चर्चाओं में दरकिनार न हो।
- ध्यातव्य है कि युद्ध के मैदान में, इस बीच रूस ने यूक्रेन में अपने आक्रमण को तेज कर दिया है। जैसे-जैसे यूक्रेन एक जटिल युद्ध परिदृश्य से गुजर रहा है, राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की राष्ट्रपति ट्रंप के लेनदेन के दृष्टिकोण के साथ संरेखित करने के लिए अपने नीति को फिर से आकार दे रहे हैं।
- खनिज, ऊर्जा और सुरक्षा गारंटी पर चल रही बातचीत के साथ, यूक्रेन अपने युद्ध प्रयासों और आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने के लिए मजबूत अमेरिकी प्रतिबद्धताओं की मांग कर रहा है।

रेयर अर्थ खनिज क्या होता है और यह कितना महत्वपूर्ण है?

- दुर्लभ मृदा या रेयर अर्थ खनिज प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले खनिज हैं जिनमें दुर्लभ मृदा तत्व (REE) होते हैं।

- हालांकि दुर्लभ मृदा तत्व पृथ्वी की पपड़ी में विशेष रूप से दुर्लभ नहीं हैं, लेकिन वे आम तौर पर बहुत कम सांद्रता में पाए जाते हैं, जिससे इनका महत्वपूर्ण निष्कर्षण चुनौतीपूर्ण और महंगा हो जाता है।

उपयोगिता:

- दुर्लभ मृदा खनिजों की वैश्विक आपूर्ति विभिन्न उच्च-तकनीकी अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें चुंबक, बैटरी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उत्पादन शामिल है। चीन दुर्लभ खनिजों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है, यद्यपि अन्य देश एकल स्रोत पर निर्भरता कम करने के लिए अपने स्वयं के भंडारों की खोज कर रहे हैं।

कुछ सबसे महत्वपूर्ण दुर्लभ मृदा खनिज:

- **मोनाजाइट:** एक फास्फेट खनिज जिसमें हल्के दुर्लभ मृदा तत्वों की एक महत्वपूर्ण मात्रा होती है, जैसे कि सेरियम (Ce), लैन्थेनम (La) और नियोडिमियम (Nd)।
- **बास्टनेसाइट:** एक कार्बोनेट-फ्लोराइड खनिज, हल्के दुर्लभ मृदा तत्वों, विशेष रूप से सेरियम, लैन्थेनम और नियोडिमियम के सबसे महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक।
- **ज़ेनोटाइम:** एक फास्फेट खनिज जिसमें मुख्य रूप से एट्रियम (Ye) और टेरबियम (Tb) जैसे भारी दुर्लभ मृदा तत्व होते हैं।

पंजाब में पोटाश भंडार की खोज क्यों महत्वपूर्ण है?

चर्चा में क्यों हैं?

- पंजाब के खनन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने 6 फरवरी को कहा कि सरकार फाजिल्का और श्री मुक्तसर साहिब जिलों में पोटाश खनन की संभावना तलाशेगी, जहां पहले के सर्वेक्षणों में तीन खनन ब्लॉकों में बड़े खनिज भंडार पाए गए थे।
- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) के सर्वेक्षणों ने राजस्थान के कुछ हिस्सों में भी भंडार की पहचान की है। ये निष्कर्ष दोनों राज्यों में पोटाश खनन की संभावना को उजागर करते हैं, जिससे भारत की आयात पर निर्भरता कम होगी और घरेलू उर्वरक उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, कुछ चिंता भी जताई गई है।

पोटाश क्या है और इसका क्या महत्व है?

- पोटाश पोटेशियम युक्त खनिजों को संदर्भित करता है जो मुख्य रूप से उर्वरकों में उपयोग किए जाते हैं। 90% से अधिक पोटाश का उपयोग उर्वरक के रूप में किया जाता है और यह तीन प्राथमिक कृषि पोषक तत्वों (नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम या N-P-K) में से एक है।

- उल्लेखनीय है कि पोटाश का उपयोग सभी पौधों पर पौधों के स्वास्थ्य और पोषण को बढ़ावा देने के साथ-साथ फसल की पैदावार बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।
- सभी पोटाश उर्वरकों में पोटेशियम होता है, लेकिन यह कई अलग-अलग रूपों में मौजूद होता है। इन रूपों में से एक है सल्फेट ऑफ पोटाश (SOP), एक प्रीमियम पोटाश उर्वरक जो क्लोराइड से मुक्त है। दूसरी ओर, म्यूरेट ऑफ पोटाश (MOP) में कुछ क्लोराइड होता है। जबकि SOP का उपयोग मुख्य रूप से उच्च मूल्य वाली फसलों, आमतौर पर पत्तेदार पौधों, फलों और सब्जियों पर किया जाता है, MOP का उपयोग आमतौर पर कार्बोहाइड्रेट-प्रकार की फसलों, जैसे गेहूं पर किया जाता है।
- वर्तमान में भारत सालाना 50 लाख टन पोटाश का आयात करता है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से उर्वरकों और उद्योगों में किया जाता है।

देश में पोटाश भंडार कहाँ पाए गए?

- पंजाब अब राजस्थान के बाद दूसरा राज्य है जिसके पास महत्वपूर्ण पोटाश भंडार है। पोटाश भंडार वाले तीन खनन ब्लॉक - कबरवाला (मुक्तसर साहिब), शेरेवाला और रामसरा (फाजिल्का) और शेरगढ़ और दलमीर खेड़ा (फाजिल्का) - लगभग 18 वर्ग किलोमीटर में फैले हुए हैं। राजस्थान में, पोटाश भंडार मुख्य रूप से उत्तर-

पश्चिमी नागौर-गंगानगर बेसिन में पाए गए, जिसमें फाजिल्का और मुक्तसर की सीमा पर स्थित गंगानगर और हनुमानगढ़ जिले शामिल हैं।

- GSI ने 1974 और 1991 के बीच नागौर, चूरू और बीकानेर जैसे जिलों में व्यापक अन्वेषण किए। बाद में, 2017 में शुरू हुए अन्वेषण ने पंजाब में भंडार की ओर इशारा किया।
- उल्लेखनीय है कि पर्याप्त भंडार होने के बावजूद, अन्वेषण और निष्कर्षण में देरी हुई है। राष्ट्रीय खनिज सूची (NMI) डेटाबेस के अनुसार, 2020 में कुल पोटाश संसाधन 23,091 मिलियन टन होने का अनुमान है। अकेले राजस्थान कुल संसाधनों में 89% का योगदान देता है।

पंजाब में पोटाश भंडार का खनन अभी तक क्यों नहीं किया गया है?

- 2019 में, GSI ने पंजाब के दो जिलों में पोटाश भंडार की खोज की, जो सतह से लगभग 450 मीटर नीचे स्थित थे। 2018-19 के दौरान सतलुज बेसिन में GSI के सर्वेक्षण ने पोटाश-क्षमता वाले क्षेत्रों की उपस्थिति की पुष्टि की।
- हालांकि मुक्तसर और फाजिल्का के कुछ किसानों का मानना है कि उनकी जमीन खनन भंडारण के लिए अधिग्रहित की जाएगी और उन्होंने भविष्य में किसी भी खनन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- जवाब में, पंजाब के खनन मंत्री ने कहा कि कोई भूमि अधिग्रहण नहीं होगा। क्योंकि भूमि स्वामित्व पर शून्य प्रभाव के साथ एक उन्नत ड्रिलिंग प्रणाली का उपयोग करके पोटाश निकाला जाएगा। इसके अतिरिक्त, सरकार परिचालन शुरू करने से पहले एक गहन पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन कर रही है।
- साथ ही उन्होंने खनन में संभावित लाभों की ओर भी इशारा करते हुए कहा कि पंजाब में पोटाश खनन से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।
- वैसे तो केंद्र सरकार के पास खनिजों की नीलामी के अधिकार हैं, लेकिन राज्यों को उनके खनन पर रॉयल्टी मिलती है। हालांकि, जब तक किसान आश्वस्त नहीं हो जाते, तब तक परियोजना के आगे बढ़ने की संभावना नहीं है।

'विकसित भारत' के विकास इंजन के रूप में बजट में 'निर्यात' पर विशेष बल:

विकसित भारत की लक्ष्य प्राप्ति में 'निर्यात' पर बल:

- वित्त मंत्री में 2025-26 के अपने बजट भाषण में अर्थव्यवस्था के विकास यात्रा के गंतव्य के रूप में 'विकसित भारत' के लक्ष्य को स्वीकारा है। साथ ही वित्त मंत्री के अनुसार भारत की विकास की इस यात्रा के लिए चार शक्तिशाली इंजन है: कृषि, MSME, निवेश और निर्यात। ऐसे में बजट 2025-26 में चौथे विकास इंजन के रूप में 'निर्यात' पर विशेष बल है।

'निर्यात संवर्धन मिशन' की स्थापना:

- भारत सरकार वाणिज्य, MSME और वित्त मंत्रालयों द्वारा संयुक्त रूप से संचालित क्षेत्रीय और मंत्रिस्तरीय लक्ष्यों के साथ एक 'निर्यात संवर्धन मिशन' स्थापित करेगी।
- यह निर्यात ऋण तक आसान पहुंच, सीमा पार फैक्टरिंग सहायता और MSME को विदेशी बाजारों में गैर-टैरिफ उपायों से निपटने के लिए सहायता प्रदान करेगा।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

'भारत ट्रेडनेट (BTN)':

- व्यापार प्रलेखीकरण और वित्तपोषण समाधानों के लिए एक एकीकृत प्लेटफार्म के रूप में अंतरराष्ट्रीय व्यापार हेतु 'भारत ट्रेडनेट (BTN)' नामक एक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना स्थापित की जाएगी।
- यह एकीकृत लॉजिस्टिक इंटरफेस प्लेटफार्म में सहयोग प्रदान करेगी। BTN को अंतरराष्ट्रीय पद्धतियों के साथ सुसंगत बनाया जाएगा।

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ एकीकरण की पहल:

- भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ एकीकृत करने के लिए घरेलू विनिर्माण क्षमता विकसित करने के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। वस्तुनिष्ठ मानदंडों के आधार पर इन क्षेत्रों की पहचान की जाएगी।
- चुनिंदा उत्पादों और आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और उद्योग प्रतिनिधियों की भागीदारी वाले सुविधा समूह बनाए जाएंगे।
- इसके माध्यम से 'उद्योग 4.0' से संबंधित अपार अवसर हैं, जिसके लिए उच्च कौशल और प्रतिभा की आवश्यकता है। हमारे युवाओं में दोनों ही हैं।
- भारत सरकार युवाओं के लाभ के लिए इस अवसर का लाभ उठाने के लिए घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरण उद्योग का समर्थन करेगी।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

वैश्विक क्षमता केंद्रों (GCC) के लिए राष्ट्रीय रूपरेखा:

- उभरते टियर 2 शहरों में वैश्विक क्षमता केंद्रों (GCC) को बढ़ावा देने के लिए राज्यों को मार्गदर्शन के रूप में एक राष्ट्रीय रूपरेखा तैयार की जाएगी।
- इसमें प्रतिभा और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता बढ़ाने, भवन-उपनियमों में सुधार और उद्योग के साथ सहयोग के लिए तंत्र के उपाय सुझाए जाएंगे।

एयर कार्गो के लिए वेयरहाउसिंग सुविधा:

- भारत सरकार उच्च मूल्य वाले खराब होने वाले बागवानी उत्पादों सहित एयर कार्गो के लिए बुनियादी ढांचे और वेयरहाउसिंग के उन्नयन की सुविधा प्रदान करेगी।
- कार्गो स्क्रीनिंग और सीमा शुल्क प्रोटोकॉल को सुव्यवस्थित और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाया जाएगा।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

भारत का निर्यात ऐतिहासिक ऊंचाइयों पर पहुंचा:

परिचय:

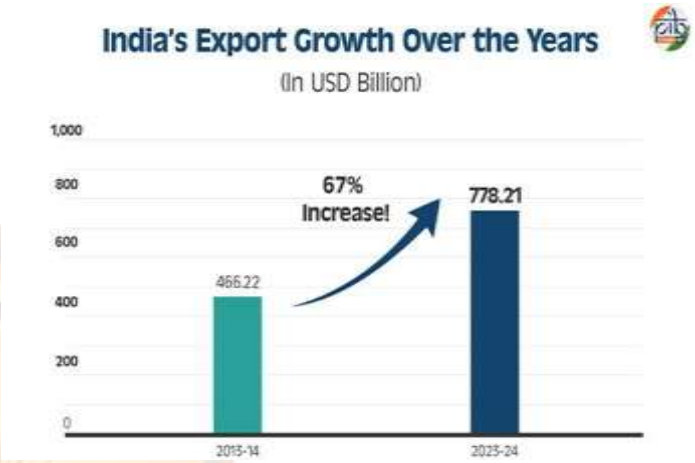

- भारत के निर्यात में ऐतिहासिक उछाल देखा गया, जो 2023-24 में 778.21 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह 2013-14 के 466.22 अरब डॉलर से 67% की बढ़ोतरी दर्शाता है। यह उछाल वैश्विक व्यापार में भारत की बढ़ती भूमिका को प्रदर्शित करता है, जो माल और सेवा निर्यात दोनों में मजबूत प्रदर्शन पर आधारित है।
- 2023-24 में, व्यापारिक माल निर्यात 437.10 अरब डॉलर रहा, जबकि सेवाओं के निर्यात ने 341.11 अरब डॉलर का योगदान दिया, जो एक अच्छे संतुलित विस्तार को दर्शाता है।
- यह गति वित्त वर्ष 2024-25 में भी जारी है, जिसमें अप्रैल-दिसंबर 2024 के दौरान संचयी निर्यात 602.64 अरब डॉलर होने का अनुमान है, जो 2023 की इसी अवधि में 568.36 अरब डॉलर से 6.03% ज्यादा है।

निर्यात वर्गीकरण और प्रगति के रुझान:

- व्यापारिक माल का निर्यात 2013-14 में 314 अरब डॉलर से 39 प्रतिशत बढ़कर 2023-24 में 437.10 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।
- आईटी, वित्तीय और व्यावसायिक सेवाओं में तेज उछाल के चलते सेवा निर्यात 2013-14 में 152 अरब डॉलर से 124 प्रतिशत बढ़कर 2023-24 में 341.11 अरब डॉलर हो गया।

2023-24 में प्रमुख निर्यात गंतव्य:

- 2023-24 में, भारत के लिए शीर्ष व्यापारिक निर्यात स्थानों में संयुक्त राज्य अमेरिका (17.90%), संयुक्त अरब अमीरात (8.23%), नीदरलैंड्स (5.16%), चीन (3.85%), सिंगापुर (3.33%), यूनाइटेड किंगडम (3.00%), सऊदी अरब (2.67%), बांग्लादेश (2.55%), जर्मनी (2.27%), और इटली (2.02%) शामिल थे।

- 2023-24 में इन 10 देशों की भारत के कुल व्यापारिक निर्यात मूल्य की 51% हिस्सेदारी रही।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

भारत के निर्यात में सेक्टर आधारित प्रगति:

- **मोबाइल फोन निर्यात में उछाल:** मोबाइल फोन निर्यात 2023-24 में 15.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो 2014-15 में 0.2 अरब डॉलर से 78 गुना वृद्धि दर्शाता है।
- **कृषि निर्यात में उछाल:** भारत से कृषि निर्यात 2013-14 में 22.70 अरब डॉलर से 112 प्रतिशत बढ़कर 2023-24 में 48.15 अरब डॉलर हो गया।
- **फार्मास्युटिकल निर्यात में उछाल:** भारत, मात्रा के आधार पर दवा और फार्मास्युटिकल उत्पादन में विश्व स्तर पर तीसरे पायदान पर है, जिसका फार्मास्युटिकल निर्यात वित्त वर्ष 2013-14 में 15.07 अरब डॉलर से 85 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 27.85 अरब डॉलर हो गया।
- **इंजीनियरिंग वस्तु निर्यात:** भारत से इंजीनियरिंग सामान का निर्यात वित्त वर्ष 2013-14 में 62.26 अरब डॉलर से 75 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 109.32 अरब डॉलर हो गया।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

MCQs

1. चर्चा में रहे 'रेयर अर्थ खनिज' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

   1. रेयर अर्थ खनिज पृथ्वी की पपड़ी में बड़े दुर्लभ रूप से पाया जाता है।

   2. ये खनिज चुंबक, बैटरी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे उच्च-तकनीकी अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण होते हैं।

   उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

   (a) केवल 1

   (b) केवल 2

   (c) 1 और 2 दोनों

   (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

   Ans:(b)

2. निम्नलिखित दुर्लभ मृदा खनिजों की श्रेणी में से किस/किन में भारी दुर्लभ मृदा तत्व पाए जाते हैं?

   (a) ज़ेनोटाइम

   (b) बास्टनेसाइट

   (c) मोनाजाइट

   (d) उपर्युक्त सभी में

   Ans:(a)

3. हाल ही में पंजाब में पोटाश भंडार चर्चा में रहा है। पोटाश पोटेशियम युक्त खनिजों को संदर्भित करता है जो मुख्य रूप से उर्वरकों में उपयोग किए जाते हैं। ऐसे में पोटाश उर्वरकों के विभिन्न प्रकारों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. एक प्रकार सल्फेट ऑफ पोटाश, जो क्लोराइड से युक्त पोटाश उर्वरक होता है और इसका उपयोग आमतौर पर गेहूं जैसे कार्बोहाइड्रेट-प्रकार की फसलों, पर किया जाता है।
2. दूसरी ओर, म्यूरेट ऑफ पोटाश, जो क्लोराइड मुक्त पोटाश उर्वरक होता है और इसका उपयोग मुख्य रूप से उच्च मूल्य वाली फसलों में किया जाता है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(d)

4. भारत के निम्नलिखित किस राज्य में देश का सर्वाधिक पोटाश भंडार पाया जाता है?

(a) पंजाब

(b) मध्यप्रदेश

(c) राजस्थान

(d) उत्तर प्रदेश

Ans:(c)

5. पिछले एक दशक में 'भारत के निर्यात के विभिन्न सेक्टर से जुड़ी प्रगति' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत से कृषि निर्यात पिछले एक दशक में 112 प्रतिशत बढ़कर 2023-24 में 48.15 अरब डॉलर हो गया।
2. भारत, मात्रा के आधार पर दवा और फार्मास्युटिकल उत्पादन में विश्व स्तर पर पहले पायदान पर है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans:(a)